Roll No. .....

E–3094(S)

B. A. (Part I) Suppl.
EXAMINATION, 2021

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper Second

(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : प्रत्येक 8

(क) "मैं जानता हूँ, तुम्हारी आमदनी अच्छी है, पर भविष्य के भरोसे पर और चाहे जो काम करो, लेकिन कर्ज कभी मत लो। गहनों का मरज न जाने इस दरिद्र देश में कैसे फैल गया। जिन लोगों के भोजन का ठिकाना नहीं, वे भी गहनों के पीछे प्राण देते हैं। हर साल अरबों रुपये सोना-चाँदी खरीदने में व्यय हो जाते हैं। उन्नत देशों में पैसा व्यापार में लगता है, जिससे लोगों की परवरिश होती है, और धन बढ़ता है। यहाँ धन शृंगार में खर्च होता है।"

अथवा

"क्या तुम इतने गये-बीते हो कि अपनी रोटियों के लिए दूसरों का गला काटो ? मैं इसे नहीं सह सकती। मुझे मजदूरी करना, भूखों

मर जाना मंजूर है। बड़ी-से-बड़ी विपत्ति जो संसार में है; वह सिर पर ले सकती हूँ, लेकिन किसी का अनभल करके स्वर्ग का राज भी नहीं ले सकती।"

(ख) "बुद्धगुप्त ! मेरे लिए सब भूमि मिट्टी है; सब जल तरल, सब पवन शीतल है। कोई विशेष आकांक्षा हृदय में अग्नि के समान प्रज्वलित नहीं। सब मिलाकर मेरे लिए एक शून्य है। प्रिय नाविक तुम स्वदेश लौट जाओ, वैभवों का सुख भोगने के लिए और मुझे छोड़ दो इन निरीह भोले-भाले प्राणियों के दुःखों में सहानुभूति और सेवा के लिए।"

अथवा

"द्वार पर खड़ी भीड़ ने देखा—लड़कियाँ, औरतें परदे के दूसरी ओर घटती घटना के आतंक से आँगन के बीचोंबीच इकट्ठी हो खड़ी काँप रही थीं। सहसा परदा हट जाने से औरतें ऐसे सिकुड़, गईं जैसे उनके शरीर का वस्त्र खींच लिया गया हो। वह परदा ही घर भर की औरतों के शरीर का वस्त्र था। उनके शरीर पर बचे चीथड़े उनके एक-तिहाई अंग ढकने में असमर्थ थे, जाहिल भीड़ ने घृणा और शर्म से आँखें फेर लीं।"

(ग) "अब नहीं ! कान पकड़ता हूँ अब नहीं। मोहरछाप वाली धोती लेकर मैं क्या करूँगा। कौन पहनेगा ? ससुरी खुद मरी, बेटे-बेटियों को ले गई अपने साथ। बाबूजी, मेरी घरवाली जिन्दा रहती तो मैं ऐसी दुर्दशा भोगता ? यह शीतलपाटी उसी की बुनी हुई है। इस शीतलपाटी को छूकर कहता हूँ, अब यह काम नहीं करूँगा। गाँव भर में तुम्हारी हवेली में मेरी कदर होती थी। अब क्या ? "मैं चुपचाप वापस लौट आया। समझ गया कलाकार के दिल में ठेस लगी है, वह नहीं आ सकता।"

अथवा

"सात बजते-बजते माँ का दिल धक्-धक् करने लगा। अगर चीफ सामने आ गया और उसने कुछ पूछा, तो वह क्या जवाब देगी ? अंग्रेज को तो दूर से ही देखकर वह घबरा उठती थी, यह तो अमरीकी है। न मालूम क्या पूछे ? मैं क्या कहूँगी ? माँ का जी चाहा कि चुपचाप पिछवाड़े विधवा सहेली के घर चली जाय। मगर बेटे के हुक्म को कैसे टाल सकती थी। चुपचाप कुर्सी पर से टाँगें लटकाये वहीं बैठी रही।"

2. 'गबन' एक समस्यामूलक सामाजिक उपन्यास है। सिद्ध कीजिए। 12

अथवा

'गबन' उपन्यास की नायिका जालपा का चरित्रांकन कीजिए।

3. गुलशेर खाँ शानी विरचित 'जली हुई रस्सी' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

'गदल' कहानी के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : प्रत्येक 4

(i) शिवानी का साहित्यिक परिचय

(ii) बालशौरि रेड्डी के अनुवाद कार्य

(iii) प्राचीन कहानी और आधुनिक कहानी में अंतर

(iv) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' की कहानी कला

(v) उपन्यास की परिभाषा एवं इसके तत्व

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पन्द्रह वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रत्येक 1

(i) बुधिया किसकी पत्नी थी ?

(ii) वाहिद किस कहानी का पात्र है ?

(iii) 'गबन' उपन्यास के रचनाकार का नाम बताइए।

(iv) आपकी पाठ्य-पुस्तक में संकलित आंचलिक कहानी का नाम लिखिए।

(v) हिन्दी के प्रथम उपन्यास का नाम लिखिए।

(vi) 'गदल' कहानी में गदल की मृत्यु कैसे हुई ?

(vii) भारत विभाजन की त्रासदी का सटीक वर्णन किस कहानी में हुआ है ?

(viii) 'आकाशदीप' कहानी की नायिका चम्पा किस द्वीप के निवासियों की सेवा करती है ?

(ix) 'चीफ की दावत' कहानी के नायक का नाम बताइए।

(x) जयशंकर प्रसाद विरचित किन्हीं दो कहानियों के नाम लिखिए।

(xi) 'कफन' कहानी के रचयिता कौन हैं ?

(xii) 'परदा' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

(xiii) 'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी के लेखक का नाम बताइए।

(xiv) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' का जन्म कब हुआ ?

(xv) बालशौरि रेड्डी की प्रथम पुस्तक का नाम लिखिए।

(xvi) 'इन्दु' पत्रिका का सम्पादन किसने किया ?

(xvii) 'चौदह फेरे' किसकी रचना है ?

(xviii) रमानाथ किस रचना का पात्र है ?